चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 22.11.2020....पृष्ठ संख्या....2.....कॉलम.....3-4.....

पाबदा, मुरेल, एनाबस सिंघी को पाल बढ़ा सकते हैं आय

कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस की ओर से वेबिनार

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस ने शनिवार को राष्ट्र स्तरीय वेबिनार का आयोजन किया। इसमें हरियाणा के अलावा मध्यप्रदेश, यूपी, बिहार समेत विभिन्न राज्यों के किसानों के अलावा वैज्ञानिक और फिशरीज कॉलेज से जुड़े पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। वेबिनार जल कृषि में विभिन्न विधियों द्वारा मछलियों की गुणवत्ता व उत्पादकता बढ़ाना नामक विषय पर आयोजित किया गया।

विभिन्न प्रदेशों से शामिल वैज्ञानिकों ने किसानों को मछली पालन कर आमदनी को दोगुना करने के टिप्स दिए। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि एचएयू में हरियाणा का पहला फिशरीज कॉलेज स्थापित किया गया। इसके माध्यम से वैज्ञानिक किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयास में जुटे हैं। उन्होंने बायोफ्लॉक विधि से मछली पालन कर आमदनी बढ़ाने के बारे में जानकारी दी। बताया कि हरियाणा में भी पाबदा, भारतीय मंगूर, मुरेल ,एनाबस, सिंघी, देशी मंगूर का पालन कर आमदनी को बढ़ाया जा सकता है। उक्त मछली 350 रुपये प्रति किलो तक बिकती है। झींगा पालन के बारे में भी जानकारी दी। बायोफ्लॉक में झींगा पालन की विधि बताई। पंजाब के लुधियाना के फिशरीज कॉलेज के वैज्ञानिक डॉ. अमित मंडल ने मछली पालन कर आमदनी बढ़ाने के बारे में जानकारी दी। कोलकाता के डेबांगटू बर्मन ने बायो फ्लॉक और आरएएस विधि से मछली पालन के बारे में बताया। कहा कि किसानों को मछली पालन कर आदनी बढ़ाने के लिए दिल्ली और नोएडा की मार्केट में विजिट करनी चाहिए। ताकि उन्हें पता लग सके कि भाव क्या चल रहे हैं। वेबिनार में वैज्ञानिकों ने सवालों के भी जवाब दिए। वेबिनार में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, झारखंड, गुजरात, बिहार, एमपी, वेस्ट बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा, ओडिशा, यूपी के किसानों ने भाग लिया।

वेबिनार में शामिल विभिन्न प्रदेश के किसान व वैज्ञानिक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला, दैनिक भास्कर.....

दिनांक 22.11.2020...पृष्ठ संख्या...1...,...1.....कॉलम.....3,...7.....

हकृवि में 10 से अधिक संक्रमित मिले सोमवार को रहेगी छुट्टी, परीक्षा स्थगित

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में कार्यरत सीनियर स्केल स्टेनोग्राफर की शनिवार को कोरोना से मौत हो गई। विवि में करीब 10 से अधिक लोग कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं। कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को लेकर शनिवार को विवि प्रशासन ने 12 बजे ही विवि की छुट्टी कर दी। हकृवि प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सोमवार की भी छुट्टी की घोषणा कर दी है। सोमवार को विभिन्न कक्षाओं की होने वाली सेमेस्टर परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। यह परीक्षा अब 8 दिसंबर को होगी। विवि के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना संकट एक बार फिर से गहराने लगा है। अभी परीक्षा ब्रांच के करीब 8 कर्मचारियों और कृषि विश्वविद्यालय के डीन सहित 10 से अधिक लोग कोरोना पॉजिटिव आ गए हैं।

एक सप्ताह पहले पिता की हुई थी मौत : विवि प्रशासन के अनुसार कुलपति सचिवालय में कार्य कर रहे स्टेनोग्राफर के पिता का 15 नवंबर को देहांत हो गया था और तब से वे छुट्टी पर थे। कर्मचारी का रैपिड टेस्ट किया गया था और उसमें उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, जिसके बाद उन्होंने स्वयं को क्वारंटीन कर लिया था। शुक्रवार को अचानक उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई तो जिंदल अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। शनिवार सुबह उनकी मौत हो गई। ब्यूरो

एहतियात... 23 नवंबर को भी एचएयू रहेगा बंद

हिसार | एचएयू में अब तक 15 संक्रमित मिल चुके हैं। संक्रमितों की संख्या बढ़ने के कारण विवि 23 नवंबर को बंद रहेगा। शनिवार को 12 बजे ही विवि को बंद कर दिया गया। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि कोरोना से बचाव के मद्देनजर विवि को सेनिटाइज कराया जा रहा है। कर्मचारियों से मास्क पहनने की अपील की है। अन्य को भी मास्क पहनने के प्रति प्रेरित करने को कहा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......

दिनांक 23.11.2020 पृष्ठ संख्या......2...... कॉलम......1-2......

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. आरएस हुड्डा

हानिकारक कीटों से करें मटर की फसल का बचाव

मटर की अगेती किस्म आर्कल से इस माह फलियां मिलेंगी। उचित अवस्था में फलियों को तोड़ें और बेचने के लिए बाजार भेजें। फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करें और एक या दो बार फसल की निराई की आवश्यकता होती है। बोनविले किस्म, जिसकी बिजाई आपने अक्तूबर माह में की है, उसकी देखभाल करें।

पहली सिंचाई बिजाई के लगभग तीन सप्ताह बाद, यूरिया खाद (13-15 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से) दें। इस माह के प्रथम पखवाड़े में मटर की पछेती बिजाई की जा सकती है। हानिकारक कीड़ों से फसल की रक्षा करें। मटर का चुरड़ा से बचाव के लिए 60 मिलीलीटर साइपरमेथ्रिन 25 ईसी या 150 मिलीलीटर साइपरमेथ्रिन 10 ईसी को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ खेत में छिड़काव करें। यदि आवश्यकता हो तो दो सप्ताह बाद छिड़काव दोबारा करें। पत्ती में सुरंग बनाने वाले कीड़ों से रक्षा पाने के लिए 400 मिलीलीटर डाइमैथोएट 30 ईसी को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ खेत में छिड़काव करें। ध्यान रहे कि ये दवाएं मनुष्यों के लिए हानिकारक हैं। इसलिए दवा के इस्तेमाल के बाद लगभग तीन सप्ताह तक फलियों को खाने के लिए उपयोग न करें। चूर्णी रोग लगने पर 500 ग्राम घुलनशील गंधक या 200 ग्राम बाविस्टीन या कैराथेन 40 ईसी 80 मिलीलीटर 200 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। बोने से पहले बीजों का कैप्टान या बाविस्टिन (दो ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) से उपचार करें।

डॉ. आरएस हुड्डा
हरियाणा कृषि विवि में विस्तार शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 22.11.2020...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-6.....

'24 घंटों के दौरान बदलेगा मौसम, उत्तर-पश्चिमी हवाएं बढ़ाएंगी ठंड'

हिसार, 21 नवम्बर (ब्यूरो): हिसार और आसपास के एरिया में अगले 24 घंटों के दौरान मौसम में बदलाव होगा। मौसम विभाग की मानें तो इन 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से रात्रि तापमान में गिरावट आएगी। साथ ही सुबह के समय हल्की धुंध छाए जाने की संभावना है। फिलहाल हिसार में 2.2 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। सर्द हवाएं चलने और पहाड़ों पर पड़ रही बर्फबारी के चलते रात्रि तापमान में गिरावट बनी हुई है। हिसार में रात्रि पारा 8.2 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विभाग द्वारा दर्ज आंकड़ों के अनुसार शनिवार को दोपहर का पारा 23.0 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। यह पारा सामान्य से 6 डिग्री सैल्सियस कम रहा।

रात्रि पारा सामान्य से 4 डिग्री सैल्सियस नीचे 8.2 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि कृषि क्षेत्र में रात्रि पारा 7.5 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। मैदानी क्षेत्र में सुबह के समय 83 प्रतिशत नमी रही।

रात्रि पारा हिसार व अन्य शहरों में आई.एम.डी. अनुसार

शहर	रात्रि पारा (डिग्री सैल्सियस)
हिसार	8.2
अम्बाला	9.3
भिवानी	8.7
फरीदाबाद	10.0
करनाल	9.2
नारनौल	7.6
रोहतक	8.8
सिरसा	10.0

अगले 4 दिनों के दौरान कैसा रहेगा मौसम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि मौसम विभाग के अध्यक्ष डा. मदनलाल खिचड़ ने बताया कि 25 नवम्बर तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील परन्तु खुश्क रहने की संभावना है। अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से रात्रि तापमान में हल्की गिरावट व सुबह के समय कहीं-कहीं हल्की धुंध रहेगी परन्तु 23 से 25 नवम्बर के बीच पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव के कारण आंशिक बादलवाई तथा रात्रि तापमान में हल्की बढ़ौतरी होने की संभावना है।